www.swarajindianews.com
swarajindianews swarajindianews
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
विजयदशमी की हार्दिक शुभकामनाएं
सांध्यकालीन समाचार पत्र
स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरुवार, 02 अक्टूबर, 2025
वर्ष: 02, अंक: 259, पृष्ठ: 8+4, मूल्य: ₹ 2/-

इनसाइड परेड रामलीला का ऐतिहासिक रावण दहन आज... » Pg03
अंतरजातीय विवाह पर खून-खराबा, युवक... » Pg07

सुसाइड जंक्शन बना आईआईटी कानपुर

धीरज की आत्महत्या ने खोली प्रशासन की पोल

सवालों के घेरे में प्रशासन, तीन दिन तक शव लटका रहा, किसी को खबर क्यों नहीं लगी? हॉस्टल मॉनिटरिंग सिस्टम क्यों हुआ फेल?

» 24 घंटे उपलब्ध काउंसलिंग टीम कहां थी? क्यों आईआईटी में आत्महत्या रोकने के वादे सिर्फ कागजों तक सीमित रह गए हैं?

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

कानपुर। विश्व स्तरीय शिक्षा और अवसरों के वादों के बीच देश के होनहार छात्रों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आईआईटी कानपुर से एक बार फिर ऐसी दर्दनाक खबर आई है जिसने न केवल छात्रों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि संस्थान के प्रशासन को भी कठघरे में खड़ा कर दिया है।

कानपुर के आईआईटी कैंपस के हॉस्टल नंबर-1 का कमरे में छात्र धीरज सैनी का शव फंदे से लटका मिला। 23 वर्षीय धीरज हरियाणा के महेंद्रगढ़ का रहने वाला था और बीटेक फाइनल ईयर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग का छात्र था। धीरज हाईजंप का खिलाड़ी भी था। आईआईटी में एक काउंसलिंग टीम भी है लेकिन घटनाओं को देखते हुए काउंसलिंग टीम फेल नजर आई। पुलिस के मुताबिक शव करीब तीन दिन पुराना था। कमरे से बदबू आने पर साथियों ने प्रशासन को सूचना दी, तब जाकर दरवाजा तोड़ा गया और सच्चाई सामने आई। सवाल यह है कि देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में गिने जाने वाले आईआईटी में छात्र का शव तीन दिनों तक लटका रहा और सुरक्षा तंत्र व काउंसलिंग सेल को खबर तक न लगी?

गौरतलब है कि हाल ही में एनएचआरसी कोर्ट ने भी आईआईटी कानपुर को तलब करते हुए पूछा था कि छात्रों की आत्महत्याओं को रोकने के लिए आखिर क्या किया गया? संस्थान ने 18 बिंदुओं की योजनाओं की रिपोर्ट पेश की थी, लेकिन धीरज सैनी की मौत ने इन दावों की हकीकत उजागर कर दी। आईआईटी कानपुर अब सिर्फ शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि आत्महत्याओं का गढ़ बनता जा रहा है। धीरज सैनी की मौत ने यह साफ कर दिया है कि प्रशासन की लापरवाही और सतही व्यवस्थाएं छात्रों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रही हैं। प्रतिभाएं मर रही हैं, लेकिन आईआईटी प्रशासन अभी भी आंख मूंदे बैठा है।

पिछले कुछ समय से आईआईटी कानपुर में आत्महत्या का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। साल 2024 में कई मामले सामने आए थे। अब साल 2025 में भी एक के बाद एक छात्र जिंदगी छोड़ मौत को गले लगा रहे हैं। इस साल की शुरुआत में ही पीएचडी कर रहे एक छात्र ने अपने कमरे में एक सुसाइड नोट लिखकर फंदा लगा जान दे दी थी।

22 महीनों में 7वीं मौत का आंकड़ा ही संस्थान की सुसाइड प्रिवेंशन व्यवस्थाओं की असलियत बयां करता है।

आईआईटी में लगातार मौतें, असफल काउंसलिंग सिस्टम

पुलिस के अनुसार घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। धीरज पिछले कुछ दिनों से चुप-चुप रहता था, लेकिन किसी ने अंदेशा नहीं लगाया कि वह आत्महत्या जैसा कदम उठा सकता है। धीरज हाई जंप का खिलाड़ी था और पढ़ाई में भी अच्छा माना जाता था। उसके साथी बताते हैं कि रविवार रात तक उसने दोस्तों से बातचीत की थी।

आईआईटी प्रशासन कागजों पर 'स्टूडेंट वेलफेयर' और 'काउंसलिंग टीम' की तमाम योजनाओं का बखान करता रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि पिछले 22 महीनों में आईआईटी कानपुर में यह सातवीं आत्महत्या है। यह आंकड़ा ही संस्थान की सुसाइड प्रिवेंशन व्यवस्थाओं की असलियत बयां करता है।

परिवार के भविष्य का सहारा आखिर किस तनाव में टूटा

धीरज तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था। उसके पिता सतीश हलवाई का काम करते हैं। घर की उम्मीद, परिवार का सहारा बनने की तैयारी कर रहा यह छात्र आखिर किस तनाव में टूटा? यह बड़ा सवाल है।

अवैध निर्माण पर एक्शन | छावनी बना इलाका, मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात

संभल में मस्जिद, मदरसा और बारात घर पर चले रहे बुलडोजर

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

संभल। यूपी के संभल जिले में सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की बड़ी कार्रवाई शुरू की गई है। प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी और ड्रोन निगरानी के बीच मस्जिद, मदरसा और बारात घर पर बुलडोजर चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि ग्राम समाज की जमीन पर यह मस्जिद, मदरसा और बरात घर तक संचालित किए जा रहे थे। पूरा इलाका छावनी तब्दील है। पुलिस बल की बड़ी तैनाती की गई।

बुलडोजर कार्रवाई असमोली थाना क्षेत्र के एक गांव में हो रही है। बताया जा रहा कि जिस जमीन पर यह निर्माण किया गया था, वह तालाब के लिए चिन्हित है। लंबे समय से इस भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य खड़ा कर लिया गया था। 20 जून को चिन्हित हो चुकी थी ग्राम सभा की भूमि और 10 जुलाई को नोटिस जारी कर दिए गए थे। प्रशासन ने कब्जाधारियों को नोटिस जारी करते हुए समय दिया था, लेकिन समय सीमा पूरी होने के बावजूद निर्माण नहीं हटाया गया। इसके बाद प्रशासन ने खुद कार्रवाई का निर्णय लिया।

संभावित विरोध को देखते हुए इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए हैं। बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है और पूरे क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। कार्रवाई की निगरानी के लिए डीएम और एसपी खुद मौके पर मौजूद हैं। इसके अलावा ड्रोन कैमरों की मदद से पूरे क्षेत्र की बारीकी से निगरानी की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि सरकारी भूमि पर किसी भी तरह के अवैध कब्ज़े और निर्माण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस कार्रवाई को लेकर इलाके में हलचल तेज हो गई है। जहां कुछ लोग प्रशासन के कदम को सही ठहरा रहे हैं, वहीं प्रभावित पक्ष आक्रोशित है।

बरेली में दशहरा और जुमा पर अलर्ट, 8000 पुलिस बल तैनात

बरेली जिले में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। दशहरा और इसके बाद जुमा को देखते हुए चौकसी और बढ़ा दी गई है। शहर के हालात देखते हुए दूसरे जिलों से आई पुलिस को चार अक्तूबर तक रोक लिया गया है। फिलहाल करीब आठ हजार पुलिसकर्मी व अधिकारी जिले में तैनात हैं। इनमें करीब छह हजार की तैनाती शहर में ही है। दशहरा पर लगने वाले मेलों में भीड़ देखते हुए पुलिस ने खास इंतजाम किए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों व मिश्रित आबादी में सुरक्षा बढ़ाई गई है, ऐसी जगह ड्रोन से भी निगरानी की जा रही है।

सफाई व्यवस्था को लेकर 'सड़क' पर नगर आयुक्त

निरीक्षण कर, रामलीला स्थलों की व्यवस्थाओं को सख्त करने के निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। लगातार हो रही वर्षा और आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए नगर आयुक्त सुधीर कुमार बुधवार को सुबह से ही शहर के विभिन्न इलाकों में निरीक्षण पर निकले। उन्होंने श्यामनगर सोसाइटी के रामलीला मैदान के एप्रोच मार्ग सहित अन्य रामलीला स्थलों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने अभियंत्रण विभाग को निर्देश दिए कि सभी रामलीला समितियों के एप्रोच मार्ग गड्ढा-मुक्त किए जाएं। वहीं, जोनल स्वच्छता अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की शिकायत या लापरवाही मिलने पर कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी और मुख्य अभियंता को आदेश दिया गया कि वे लगातार भ्रमणशील रहकर जलभराव की स्थिति पर नजर रखें और तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करें।

नगर निगम टीम की त्वरित सक्रियता के कारण शहर में बारिश के दौरान कहीं भी बड़े पैमाने पर जलभराव की समस्या नहीं हुई। इसके साथ ही कई स्थानों पर कूड़ेदानों के स्थानान्तरण व सौंदर्यीकरण कार्य भी कराया गया, जिससे पहले गंदगी वाले स्थलों को आकर्षक रूप में बदला गया।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कुछ सफाई नायकों और कर्मियों की लापरवाही पर असंतोष जताते हुए कड़ी चेतावनी दी।

उन्होंने कहा कि जन-सुविधा से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही

बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि भविष्य में ऐसी स्थिति दोहराई गई तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।नगर निगम टीम की प्रतिबद्धता और तत्परता के चलते नागरिकों को वर्षा के बीच भी किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा।

कानपुर में सीएनजी बसें ठप, अब ई-बसें देंगी सहारा

» रूट घटाकर फेरे बढ़ाने की नई व्यवस्था लागू

77 ई-बसों से रोजाना 11 हजार यात्री कर रहे सफर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।शहर में सीएनजी बसों का संचालन ठप होने के बाद अब ई-बसें ही सहारा बनेंगी। त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए कानपुर सिटी ट्रांसपोर्ट लिमिटेड (केसीटीएसएल) ने नई समय सारिणी लागू कर दी है। अब 30 किलोमीटर दायरे में हर 15 मिनट के अंतराल पर ई-बस सेवा उपलब्ध होगी। हर एक किमी पर ई-बस आधा मिनट रुककर यात्रियों को बैठाएगी।नई व्यवस्था के तहत रूट की दूरी 50 किमी से घटाकर 30 किमी कर दी गई है।

रामादेवी से बिंदकी तक चलने वाली 16 बसें अब सिकटिया (चौडगरा) तक, रामादेवी से आईआईटी तक चलने वाली 23 बसें अब रामा मेडिकल कॉलेज तक, और रामादेवी से रनिया रूट पर छह की जगह नौ बसें चलेंगी। वहीं, नौबस्ता से जहानाबाद रूट की आठ ई-बसों का संचालन बंद कर दिया गया है।

वर्तमान में 77 ई-बसों का संचालन हो रहा है, जिनसे औसतन 11 हजार यात्री रोजाना सफर कर रहे हैं।

(केसीटीएसएल) के एमडी महेश कुमार ने बताया कि नई समय सारिणी दो अक्टूबर से लागू हो रही है। दिसंबर तक नई बसों के आने की संभावना है। इस बीच, ज्यादा यात्रियों को बेहतर सुविधा देने और आय बढ़ाने के लिए रूटों पर चेकिंग भी तेज की जाएगी।

कानपुर की शानः परेड रामलीला का ऐतिहासिक रावण दहन आज

» लगभग 150 वर्षों से विजयदशमी पर होने वाला रावण दहन कानपुरवासियों के साथ-साथ आसपास के जिलों के लिए आस्था का केंद्र

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर भारत की चुनिंदा भव्य रामलीलाओं में गिनी जाने वाली परेड की रामलीला सोसाइटी आज भी अपनी परंपरा और शान को संजोए हुए है। लगभग 150 वर्षों से विजयदशमी पर होने वाला रावण दहन कानपुरवासियों के साथ-साथ आसपास के जिलों के लोगों के लिए भी आस्था और आकर्षण का केंद्र रहा है।

यहाँ तैयार होने वाला रावण सिर्फ एक पुतला नहीं, बल्कि महीनों की मेहनत और कारीगरों की कला का अद्भुत उदाहरण होता है। बांस, कपड़े और रंगीन कागज़ से बने 50 से 80 फुट ऊँचे रावण में आतिशबाज़ी और पटाखों की सज्जा की जाती है, जिससे दहन के समय पूरा वातावरण रोशनी और धमाकों से आलोकित हो उठता है।

आज परेड की रामलीला का रावण ही नहीं, बल्कि पूरे शहर की रामलीलाएँ कानपुर की सांस्कृतिक धरोहर बन चुकी हैं। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इन आयोजनों का बेसब्री से इंतज़ार करते हैं और विजयदशमी के दिन परंपरा और उत्सव का हिस्सा बनते हैं। परेड हो या पी रोड, कर्नलगंज हो या लाटूश रोड—कानपुर की रामलीलाएँ सिर्फ धार्मिक मंचन नहीं, बल्कि असत्य पर सत्य की विजय और पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही भारतीय संस्कृति का जीवंत प्रतीक हैं।

धार्मिक अनुष्ठान से उत्सव तक संगम

परेड मैदान में होने वाला रावण दहन अब धार्मिक अनुष्ठान से बढ़कर एक सांस्कृतिक उत्सव का रूप ले चुका है। मंचन के बाद जब भगवान राम का बाण रावण को भेदता है और चारों ओर से जय श्रीराम के जयकारे गूंजते हैं, तो पूरा मैदान भक्तिभाव और उल्लास से भर उठता है।

इतिहास से वर्तमान तक की गाथा पढ़िए

ब्रिटिश काल में स्थापित यह रामलीला सोसाइटी केवल धार्मिक आयोजन के लिए नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने और भारतीय संस्कृति की जड़ों को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू हुई थी। आज भी यह परंपरा उसी भव्यता के साथ निभाई जा रही है। समय के साथ तकनीक और सजावट बदली है।

कानपुर की अन्य ऐतिहासिक रामलीलाएँ

कानपुर महानगर केवल परेड की रामलीला तक सीमित नहीं है। यहाँ दशकों से चल रही अन्य रामलीलाएँ भी अपनी अलग पहचान बनाए हुए हैं—

पी रोड रामलीला – परंपरा और भव्यता के कारण इसे कानपुर की पुरानी और लोकप्रिय रामलीलाओं में गिना जाता है।

लाटूश रोड रामलीला – शहर के पुराने मोहल्लों से जुड़ी यह रामलीला

आज भी सादगी और धार्मिक आस्था के लिए प्रसिद्ध है।

कर्नलगंज रामलीला – स्थानीय स्तर पर यहाँ की रामलीला बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित करती है।

बाबूपुरवा व गोविंदनगर की रामलीलाएँ – दक्षिण कानपुर की सांस्कृतिक धरोहर मानी जाती हैं।

बर्रा, किदवईनगर और कल्याणपुर की नई रामलीलाएँ – बीते दशकों में शुरू हुईं, लेकिन आधुनिक मंचन और रोशनी के कारण युवाओं को खूब भाती हैं।

गांधी-शास्त्री जयंती पर पुलिस ने ली शपथ

बेहतर कार्य करने वाले पुलिसकर्मी सम्मानित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर कानपुर की पुलिस लाइन समेत सभी डीसीपी कार्यालयों में पुलिसकर्मियों ने सत्य, अहिंसा और कर्तव्यनिष्ठा की शपथ ली। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त अखिल कुमार ने पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया। कानपुर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर गुरुवार को पुलिसकर्मियों ने सत्य, अहिंसा, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन की शपथ ली। उनके दिखाए आदर्शों और सिद्धांतों पर चलने की सहमति दी।

यह आयोजन पुलिस लाइन, डीसीपी पूर्वी, सेंट्रल, दक्षिण कार्यालयों में हुआ। दोनों महान विभूतियों की फोटो पर फूल माला चढ़ाई। इस अवसर पर बेहतर कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया।

पुलिस आयुक्त अखिल कुमार, पुलिस उपायुक्त पश्चिम दिनेश त्रिपाठी, अपर पुलिस उपायुक्त स्टाफ ऑफिसर राजेश पांडेय, अपर पुलिस उपायुक्त अभिसूचना महेश कुमार एवं अपर पुलिस उपायुक्त मुख्यालय डॉ. अर्चना सिंह ने पुलिस लाइन में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की फोटो को नमन किया। पुलिस कर्मियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई। पुलिस आयुक्त ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को उपहार वितरित किए।

मिष्ठान भी वितरित किया गया

पुलिस उपायुक्त कार्यालय दक्षिण में डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी और एडीसीपी दक्षिण ने दोनों महान विभूतियों की फोटो पर माल्यार्पण कर नमन किया। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। पुलिस उपायुक्त कार्यालय, स्वरूपनगर में पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल) श्रवण कुमार सिंह ने अधिकारियों व कर्मचारियों को सत्य, अहिंसा एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। मिष्ठान वितरित किया गया।

सुबह से बारिश ने खेल बिगाड़ा, पूरे बाजार में पसरा रहा सन्नाटा

दुकानदार बोले-बोहनी तक नहीं हुई, तय मुहूर्त पर जलेगा रावण

» रिज़वान कुरैशी, स्वराज इंडिया संवाददाता।

बिल्हौर (कानपुर)। दशहरे का त्योहार जिसका इंतजार लोग पूरे साल करते हैं, इस बार बिल्हौर में बारिश की बेरुख़ी का शिकार हो गया। कस्बे की छोटी बाजार, जहां दशहरा आते ही रौनक अपने चरम पर होती है, गुरुवार को सुबह से वीरान पड़ी रही। कीचड़ और गीली मिट्टी ने लोगों के कदम रोक दिए।

रामलीला मैदान पर कुछ दुकानदार अपनी दुकानें सजाने की कोशिश करते दिखे,तो कई ग्राहक का इंतजार करते बैठे रहे।रसूलाबाद के बलराम,जो कि खिलौनों की दुकान लगाए बैठे थे, ने बताया कि सुबह से मौसम खराब है,दुकानदारी पर बहुत असर पड़ा है। बीते 20 सालों से मेला में सिलबट्टी बेच रहे एक दुकानदार ने मायूस होकर कहा- दोपहर हो गई, लेकिन बोहनी तक नहीं हुई। दोपहर बाद जैसे ही हल्की धूप निकली,

दुकानदारों ने राहत की सांस ली। चाट का ठेला लगाने वाले आदर्श ने मुस्कुराते हुए कहा-सुबह तो लगा था दुकान ही नहीं लगा पाएंगे, लेकिन अब उम्मीद है कि शाम को भीड़ लौटेगी। भले ही दोपहर तक मैदान सुनसान रहा, लेकिन बच्चों और युवाओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी. एक किशोर ने कहा रावण दहन देखने तो हर हाल में आएंगे, साल में एक ही मौका होता है।वहीं महिलाएं भी कहती सुनी गईं कि मौसम की वजह से देर हुई है,लेकिन दशहरा बिना रावण दहन के अधूरा है।

कमेटी ने संभाली कमान

मौसम की चुनौती के बीच रामलीला कमेटी के पदाधिकारी पूरे मैदान पर डटे रहे। अध्यक्ष चंद्रशंकर मिश्रा ने कहा-परंपरा से कोई समझौता नहीं होगा। तय मुहूर्त रात 9:30 बजे 35 फीट ऊंचे रावण का दहन किया जाएगा।

रौनक लौटने की उम्मीद

जैसे-जैसे शाम ढलेगी, उम्मीद है कि मैदान पर भीड़ बढ़ेगी और 35 फीट ऊंचे रावण का पुतला जलते ही 'जय श्रीराम के नारों से पूरा मैदान गूंज उठेगा। मौसम की मार से भले ही दिन का उत्सव फीका रहा हो, लेकिन रात का नज़ारा हर बार की तरह भव्य होने की संभावना है।

दहन से पहले कस्बा इंचार्ज और दरोगा ने संभाली ट्रैफिक व्यवस्था

रामलीला मैदान के बाहर दशहरे की तैयारियों के बीच कस्बा प्रभारी प्रेमवीर सिंह और दरोगा कपिल ने ट्रैफिक व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी। रात में भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए चौराहे से रिक्शा चालकों और ठेले लगाने वालों को हटवाया।

इस कार्रवाई से न केवल रास्ता साफ हुआ, बल्कि रावण दहन देखने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी सुविधा सुनिश्चित हुई। कस्बा इंचार्ज ने बताया कि जगह-जगह वाहन चेकिंग भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि रावण के पुतले के दहन के समय किसी भी तरह की भीड़-भाड़ या जाम की स्थिति न बने, इसके लिए पूरी रूपरेखा तैयार कर ली गई है। कस्बा इंचार्ज ने लोगों से अपील की है कि वे पुलिस और ट्रैफिक व्यवस्था का पालन करें, ताकि पर्व सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो।

महिला शक्ति का संदेश: छात्रा ने संभाली चौबेपुर थाने की कमान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर सर्किल में मिशन शक्ति अभियान को लेकर बुधवार का दिन खास रहा। चौबेपुर में छात्राओं को मंच मिला तो ककवन और शिवराजपुर में महिलाओं की भागीदारी पर जोर दिया गया। चौबेपुर कस्बे में पं. दीनदयाल सनातन धर्म विद्यालय की छात्रा यति त्रिपाठी को एक दिन के लिए थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने महिला डेस्क का उद्घाटन किया और थाने का निरीक्षण करते हुए आने वाली महिलाओं की फरियादें सुनीं।

यति ने कहा कि बेटियों को अधिकारों की जानकारी के साथ-साथ आत्मरक्षा के गुर भी सीखने चाहिए। उधर, ककवन थाने में मिशन शक्ति केंद्र की शुरुआत ग्राम गढ़ेवा की प्रधान हिमांशी मिश्रा ने की। कार्यक्रम में मौजूद एसीपी अमरनाथ यादव ने छात्राओं को सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबर बताए और कहा कि महिलाओं के सम्मान व आत्मनिर्भरता के बिना समाज की प्रगति अधूरी है। इसी क्रम में शिवराजपुर के टकटौली गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीण महिलाओं को जागरूक किया गया। यहां भी हेल्पलाइन सेवाओं और महिला अधिकारों पर चर्चा हुई।बिल्हौर सर्किल के इन आयोजनों ने यह संदेश दिया कि समाज में बदलाव तभी संभव है जब महिलाएं सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त हों।

स्कूलों में धूमधाम से मनाई गई गांधी और शास्त्री जयंती

सत्य, अहिंसा और जय जवान, जय किसान के नारों से गूंजे स्कूल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर बिल्हौर के परिषदीय (सरकारी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक) स्कूलों में आज विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रभात फेरियों में हिस्सा लिया, जबकि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भाषणों के माध्यम से दोनों महान विभूतियों के आदर्शों को याद किया गया।

से हुई। कक्षा 6 से 8 तक के छात्र-छात्राओं ने रघुपति राघव राजा राम और जय जवान, जय किसान के नारे लगाते हुए स्कूल परिसर और आस-पास के क्षेत्रों में भ्रमण किया। प्रभात फेरी के बाद, सभी स्कूलों में प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया।

स्कूलों में आयोजित मुख्य समारोह में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।छात्रों

ने गांधी जी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता के सिद्धांतों और शास्त्री जी के साहस, सादगी और देशभक्ति पर प्रेरणादायक भाषण दिए। कई स्कूलों में बच्चों ने गांधी जी के प्रिय भजन वैष्णव जन तो तेने कहिए और रघुपति राघव राजा राम प्रस्तुत किए। कुछ बच्चों ने महात्मा गांधी और शास्त्री जी की वेशभूषा धारण कर उनके जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को नाट्य-रूप में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर, स्वच्छता ही सेवा के संदेश को आत्मसात करते हुए, शिक्षकों और छात्रों ने मिलकर स्कूल परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया।

इस मौके पर शिक्षकों ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का जीवन हमारे लिए एक खुली किताब है। शिक्षकों ने कहा, बच्चों हमें बापू के सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए एक अच्छा इंसान बनना है। इसी तरह, शास्त्री जी के जय जवान, जय किसान के नारे को याद रखना है और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना है। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को मिष्ठान वितरित किया गया। इस दौरान अभिभावक और ग्राम शिक्षा समिति के सदस्य भी मौजूद रहे, जिन्होंने बच्चों के प्रयासों की सराहना की। ब्लॉक संसाधन केंद्र पर खंड शिक्षा अधिकारी रवी कुमार सिंह ने ध्वजारोहन किया।

सम्पादकीय

मंत्री की अनर्गल बयानबाजी अक्षम्य

यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश की बहादुर सेना ने जब पाक को सबक सिखा, देश को गौरव का अहसास कराया तब नफरती ट्रोल सेना, नीचता की सीमा तक गिरती नजर आई। जिसके विरोध में देश में तीखे गुस्से की लहर देखी गयी। इस बिगड़ैल ट्रोल सेना ने ऑनलाइन गाली-गलौज करने में किसी को भी नहीं बख्शा। यहां तक कि सादगी के व्यक्तित्व व गरिमापूर्ण अभिव्यक्ति वाले विदेश सचिव विक्रम मिसरी तक को नहीं छोड़ा। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा भी निशाने पर आए। यहां तक कि पहलगाम हमले में विधवा हुई हिमांशी नरवाल को भी नहीं बख्शा गया। इसकी वजह यह थी कि उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने और पहलगाम की घटना के बाद कश्मीरियों को निशाने पर न लेने का आह्वान किया था। निश्चित रूप से यह देश में सामाजिक समरसता के लिये वक्त की आवाज भी थी। लेकिन सबसे परेशान करने वाली घटना वह थी, जिसमें भाजपा शासित राज्य मध्य प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह ने बेसिर-पैर का सांप्रदायिक सोच वाला बयान दिया। दरअसल, इस सप्ताह की शुरुआत में मंत्री विजय शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रेस ब्रीफ देने वाली कर्नल सोफिया के बारे में चौंकाने वाली सांप्रदायिक टिप्पणी की थी। निश्चय ही देश के लिये महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिला सैन्य अधिकारी के बारे में ऐसी टिप्पणी करना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। मंत्री ने असंगत रूप से पहलगाम में आतंक फैलाने वाले आतंकवादियों से दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से साम्य दर्शाने का कुत्सित प्रयास किया। हालांकि यह टिप्पणी सोमवार को की गई थी, लेकिन मंत्री शाह के खिलाफ प्राथमिकी मुश्किल से बुधवार रात दर्ज की गई। वह भी शासन द्वारा स्वत: संज्ञान लेने के बजाय मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की सख्ती के बाद ही दर्ज की गई। हाईकोर्ट ने कर्नल कुरैशी के खिलाफ 'गटर की भाषा' इस्तेमाल करने के लिए मंत्री शाह को फटकार लगायी। सही मायनों में हाईकोर्ट ने न केवल मंत्री को आईना दिखाया बल्कि तमाम बेलगाम बयानबाजी करने वालों को भी सख्त संदेश दिया।

उल्लेखनीय है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद जब आरोपी मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट से राहत के लिये गुहार लगायी तो सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें आड़े हाथ लिया। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को चेतावनी दी कि एक मंत्री को ऐसे समय में जिम्मेदारी की भावना के साथ बोलना चाहिए, जब देश चुनौतिपूर्ण स्थिति से गुजर रहा हो। फिर कोर्ट की सख्ती के बाद शाह ने खेद व्यक्त किया। उन्होंने फिर सफाई दी कि वह कर्नल कुरैशी का अपनी बहन से ज्यादा सम्मान करते हैं। लेकिन जैसे कमान से निकला तीर वापस नहीं लौटता है, उसी तरह उनकी अनर्गल बयानबाजी से जो नुकसान हो चुका था, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं है। इससे बड़ी विसंगति यह भी कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की तात्कालिक गंभीर पहल नहीं की। यह विडंबना ही है कि पार्टी नेतृत्व इंतजार का खेल खेल रहा है। वहीं दूसरी ओर आरोपी मंत्री अपने बचाव के लिये कानूनी विकल्पों को आजमाने में व्यस्त रहा है। दरअसल, भाजपा की राजनीतिक मजबूरी यह है कि जातीय समीकरणों के हिसाब से वे पार्टी के लिये महत्वपूर्ण हैं। वे उस राज्य में आदिवासी कल्याण मंत्री हैं जहां अनुसूचित जनजातियों की आबादी का पांचवां हिस्सा मौजूद है। लेकिन इतना तो तय है कि चाहे उनका राजनीतिक प्रभाव कितना भी क्यों न हो, उन्हें सशस्त्र बलों के साथ-साथ ही महिलाओं का अपमान करने की छूट नहीं मिल जाती। पार्टी को राष्ट्र को आश्वस्त करने के लिये अनुकरणीय कार्रवाई करनी ही चाहिए।

न धमकाया, केवल नपा-तुला परिणाम

एस एस मेहता

पाकिस्तानी करतूतों के जवाब में हमारा संदेश यह है कि लड़ाई हम शुरू नहीं करेंगे,लेकिन तय हम करेंगे कि युद्ध शुरू कब हो और खत्म कब हो। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की प्रतिक्रिया नपी-तुली रही और कार्रवाई प्रभावी व सटीक।ऑपरेशन सिंदूर का अचानक खत्म हो जाना चौंकाने वाली घटना थी - वास्तव में, परीक्षा में 'पाठ्यक्रम से बाहर' का सवाल आने जैसा! गनीमत कि फुल स्केल वॉर टल गयी और उम्मीद करें कि संघर्ष विराम उल्लंघन न हो। भले ही सशस्त्र बल हमारी सीमाओं पर सतर्क नज़र रखेंगे, लेकिन कुछ निष्कर्षों पर गर्मागर्म बहस हो सकती है। पाकिस्तान के नेतृत्व की ओर से नवीनतम उकसावा रणनीतिक नहीं था - लक्षणात्मक था। चिरपरिचित लहजे में, शब्दावली में नीति पर कम और दिखावे पर जोर ज़्यादा था, शिकायतों का पुलिंदा, ऐतिहासिक अन्याय और वैचारिक खतरे को दोहराने वाला संबोधन था। लेकिन कुछ बुनियादी बदलाव आया है कि दुनिया ने सुनना बंद कर दिया। भारत ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी। यह चुप्पी खंडन से ज़्यादा ज़ोरदार रही।

भारत के लिए, यह घड़ी प्रतिक्रिया की नहीं- उसे उजागर करने की रही। पाकिस्तान, जो कभी राष्ट्र होता था, अब एक टोला बन चुका है, भ्रमित लोगों का टोला, जिसमें अराजकता और टकराव की बात करने वाले कुछ लोगों ने स्थिरता-सम्मान के चाहवानों को दबा रखा है।चिंगारी विफल हुई : कश्मीर का प्रत्युत्तर : अगर पर्यटक नरसंहार का उद्देश्य कश्मीर में अशांति भड़काने का था, तो प्रतिक्रिया उद्वेग विहीन रही। पहलगाम और घाटीभर में, असंतोष की लपटें नहीं उठी, कोई गुस्साई भीड़ नहीं। रोज़मर्रा ज़िंदगी चलती रही। लोगों ने रोष प्रदर्शन के बजाय शांति का संकल्प चुना।भारत आहत हुआ। यह भारत का पहला और गहनतम उत्तर था। भाषणों से नहीं, बल्कि स्थिरता से। भारत की ताकत इसकी विविधता की संबद्धता में है। कश्मीर में भी- कन्याकुमारी या कोहिमा की भांति- संविधान संबद्धता की गारंटी देता है। सशस्त्र बल इसे यकीनी बनाते हैं, लोग कायम रखते हैं। भारत की विविधता में एकता, कमज़ोरी नहीं, अब रणनीतिक सिद्धांत है। फूट डालने के आह्वान का उत्तर बयानबाज़ी से नहीं, बल्कि टिकाऊ सत्य से दिया गया : भारत अनेक है, फिर भी एक है। बिना दिखावे के सटीकता : जब उधर लाउडस्पीकरों पर दमगज़े गूंज रहे थे, भारत ने कार्रवाई की- चुपचाप, सटीक और बिना नाटकीयता। नियंत्रण रेखा पार और उसके आगे जाकर आतंकी ढांचे पर हमलों की घोषणा धूमधाम से नहीं की। हमले नपे-तुले, प्रभावी और उद्देश्यपूर्ण थे। फिर भी, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की भाषा रही : मौन। पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल आतंकवादियों की मेजबानी करने, उनके शव सैन्य झंडे में लपेटने, उनका कफन-दफन राजकीय सम्मान से करने पर किसी ने ऐतराज नहीं किया। सवाल नहीं उठा कि वैश्विक तौर पर घोषित हत्यारों को सलामी देकर इज्जत क्यों की दी जाती है। वैश्विक व्यवस्था, एक बार फिर, अपनी कसौटी पर खरी नहीं उतरी। हालांकि, भारत का लक्ष्य तालियां बटोरना नही था, यह प्रतिकर्म निवारक था। संदेश स्पष्ट था : भारत की सीमा रेखा अब सरक चुकी है। प्रतिक्रियाएं अब बिना शोर-शराबा, किंतु वजनदार होंगी। तनाव बढ़ना, फिर घटना भारत की शर्तों पर – पाकिस्तान की प्रतिक्रिया ढर्रे की रही : मिसाइलों, ड्रोन से हमला। ज़्यादातर को भटका दिया या मार गिराया, बाकी बेअसर कर डाले। इसने हमारी दूसरी प्रतिक्रिया शुरू कराई – नपी-तुली, किंतु सटीक। न केवल आतंकी शिविरों, बल्कि सैन्य हवाई अड्डों को भी निशाना बनाया। अंधाधुंध नहीं बल्कि बहुत सोच-समझकर। यह केवल तनाव बढ़ाने की खातिर टकराव बढ़ाना नहीं था। इस कार्रवाई में सिद्धांत था। सटीकता थी, जिसने क्षमता, इरादे और संयम को प्रेषित किया। इससे उसे करारी चोट पहुंची।और यह कारगर रहा। पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक ने धमकी देकर नहीं, बल्कि तनाव घटाने के आह्वान के साथ संपर्क किया। भारत ने स्वीकार किया- बतौर रियायत नहीं, बल्कि नियंत्रण। इस पलों पर संचालन सधा रहा : न धमकाया, केवल नपा-तुला परिणाम। यह सदा बहस का विषय रहा लेकिन संघर्ष समाप्त करना आसान विकल्प नहीं होता। अपनी प्रतिक्रिया को लेकर भारत ने नई सीमा तय कर दी। उसे घोषित करने की ज़रूरत नहीं – कार्रवाई में सबूत मिला।

लाहौर केस की स्वतंत्रता आंदोलन में निर्णायक भूमिका

मोदी डॉक्ट्रिन

के एस तोमर

प्रधानमंत्री मोदी का यह डॉक्ट्रिन इतिहास में एक परिवर्तनकारी नीति के रूप में अंकित होगा, जिसने पाकिस्तान की आतंकवाद-प्रेरित गतिविधियों के प्रति भारत के दृष्टिकोण को निर्णायक रूप से फिर से परिभाषित किया। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयरस्ट्राइक इस बदलते दृष्टिकोण का जीवित प्रमाण हैं।मोदी के भाषणों का गहन विश्लेषण दर्शाता है कि उनका डॉक्ट्रिन केवल शब्दों तक सीमित नहीं है—यह अडिग संकल्प के साथ लागू किया गया है। भारत द्वारा नौ आतंकवादी शिविरों का खात्मा और पाकिस्तान के ग्यारह एयर बेसों को नष्ट करना इस नई नीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

संदेश स्पष्ट है कि चरमपंथियों को, चाहे वे पाकिस्तान सेना द्वारा शरण प्राप्त करें या स्वतंत्र रूप से कार्य करें, राज्य कर्ताधर्ता के रूप में माना जाएगा और दोनों को प्रतिशोध का सामना करना पड़ेगा। मोदी ने इस डॉक्ट्रिन का उपयोग एक व्यापक वैश्विक संदेश देने के लिए भी किया है—पाकिस्तान की आतंकवादी नीति केवल भारत की समस्या नहीं है। प्रधानमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि इस्लामाबाद का आतंकवादी नेटवर्क पश्चिमी शक्तियों को भी निशाना बना चुका है। संयुक्त राज्य अमेरिका पर हुए 9/11 के हमले और लंदन मेट्रो में हुए घातक बम विस्फोटों के तार पाकिस्तान में प्रशिक्षित आतंकवादियों से जुड़े हुए हैं। मोदी के अनुसार, पाकिस्तान में राज्य और आतंकवाद एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, जिससे यह देश अपने प्रॉक्सी युद्ध के कृत्यों में सम्मिलित हो जाता है।

घरेलू स्तर पर, मोदी डॉक्ट्रिन की

सफलता 2029 के लोकसभा चुनावों और आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में बीजेपी की संभावना को बढ़ा सकती है। आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ रुख 2019 पुलवामा हमले के बाद की सर्जिकल स्ट्राइक जैसे राष्ट्रवादी भावनाओं को सशक्त बना सकता है, जो चुनावी गति में एक महत्वपूर्ण कारक साबित हो सकता है। मोदी सरकार की निर्णायक कार्रवाइयां प्रभावी रूप से चुनावी अभियानों में इस्तेमाल की गई हैं, मोदी को एक मजबूत नेता के रूप में प्रस्तुत किया गया है जो भारत की संप्रभुता की रक्षा करने में सक्षम है। विपक्षी दलों के लिए इस विमर्श को नकारने में मुश्किल हो सकती है, क्योंकि वे राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में अक्सर रक्षात्मक नजर आते हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह डॉक्ट्रिन इतिहास में एक परिवर्तनकारी नीति के रूप में अंकित होगा, जिसने पाकिस्तान की आतंकवाद-प्रेरित गतिविधियों के प्रति भारत के दृष्टिकोण को निर्णायक रूप से फिर से परिभाषित किया। दशकों तक, सीमा पार आतंकवाद को कूटनीतिक आदान-प्रदान और तपे-तुले उत्तरों के साथ निपटा गया था। लेकिन मोदी के नेतृत्व में, भारत ने यह घोषणा की है कि आतंकवादी हमलों को अब युद्ध की कार्रवाई के रूप में माना जाएगा—जिसमें सबसे कड़ा दंड, सीमा पार हमलों और आतंकवादियों और उनके संरक्षकों के खिलाफ प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया शामिल होगी। मोदी डॉक्ट्रिन का एक और प्रमुख पहलू पाकिस्तान द्वारा प्रचारित परमाणु युद्ध के खतरे को नष्ट करना है। इस्लामाबाद की आदत बन चुकी परमाणु कूटनीति अब प्रभावहीन हो गई है, क्योंकि भारत ने यह प्रदर्शित कर दिया है कि वह परमाणु डर को दरकिनार करते हुए निर्णायक प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार है। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयरस्ट्राइक इस बदलते दृष्टिकोण का जीवित प्रमाण हैं।भारत की सीमा पार जाकर आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने की तत्परता न केवल भारत की सुरक्षा को सुनिश्चित रखती है, बल्कि इसने एक शक्तिशाली वैश्विक संदेश भी दिया है। इसने यह प्रदर्शित किया कि राष्ट्रों के पास आतंकवाद की जड़ें नष्ट करने का संप्रभु अधिकार है, यदि कोई और विकल्प न हो, और यह सिद्धांत अमेरिका, इस्राइल जैसे अन्य देशों के लिए भी प्रासंगिक है जो समान खतरों का सामना कर रहे हैं।

झोलाछाप डॉक्टर के गलत इलाज से राष्ट्रीय खिलाड़ी की मां की मौत

» डीएम ने संज्ञान लेकर जांच के दिए आदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। झोलाछाप डॉक्टरों के गलत इलाज से एक और बड़ा मामला सामने आया है। रामादेवी स्थित कैलाश मेडिकल सेंटर में भर्ती होने के कुछ घंटे बाद ही राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट खिलाड़ी उत्कर्ष द्विवेदी की मां की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। आरोप है कि अवैध रूप से संचालित इस नर्सिंग होम में बिना उचित जांच किए उन्हें सीधे आईसीयू में भर्ती कर लिया गया और लगातार पैसे की मांग की जाती रही।

उत्कर्ष द्विवेदी, जो आचार्य नगर निवासी एवं आईपीएल के रिज़र्व प्लेयर भी हैं, ने बताया कि उनकी मां को 21 जुलाई की रात अर्थराइटिस की हल्की समस्या के चलते भर्ती कराया गया था। सभी जांच रिपोर्ट सामान्य थीं और वह बिल्कुल स्वस्थ थीं। लेकिन डॉक्टर जितेंद्र शर्मा के दबाव में उन्हें आईसीयू में भर्ती कर 25,000 अग्रिम जमा कराने पड़े।

उत्कर्ष ने आरोप लगाया कि मां को बिना जरूरत खून चढ़ाया गया, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई

और तीन घंटे के भीतर ही उनकी मौत हो गई। विरोध करने पर अस्पताल स्टाफ ने उनके साथ मारपीट भी की।जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शिकायत का

संज्ञान लेते हुए मामले की जांच के लिए डॉक्टरों की एक कमेटी गठित कर दी है। कमेटी दोषी पाए जाने पर संबंधित डॉक्टर और नर्सिंग होम के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

शहर में लगातार झोलाछाप डॉक्टरों की लापरवाही से हो रही मौतों पर स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

जीआरपी कानपुर सेंट्रल ने ढूंढ निकाले 311 खोए मोबाइल

» असली मालिकों को सौंपे - प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीओ जीआरपी दुष्यंत सिंह ने दी जानकारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जीआरपी कानपुर सेंट्रल की टीम ने सराहनीय कार्य करते हुए यात्रियों के खोए हुए 311 मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सुपुर्द कर दिए। यह अभियान यात्रियों की सुरक्षा और उनकी संपत्ति को सुरक्षित लौटाने की दिशा में पुलिस की अहम पहल है।

इस मौके पर सीओ जीआरपी दुष्यंत सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया को पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ महीनों से यात्रियों द्वारा मोबाइल गुम होने की लगातार शिकायतें दर्ज कराई जा रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जीआरपी की साइबर सेल और तकनीकी टीम ने सघन जांच शुरू की।

टीम नं. IMEI ट्रैकिंग, तकनीकी निगरानी और सर्विलांस की मदद से एक-एक मोबाइल को खोज निकाला। इसके बाद सभी मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सत्यापन के बाद सौंपे गए। मोबाइल मिलने के बाद मालिकों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी और उन्होंने जीआरपी टीम का आभार जताया।

सीओ जीआरपी दुष्यंत सिंह ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और उनकी संपत्ति की रक्षा करना जीआरपी की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे ट्रेन यात्रा के दौरान सतर्क रहें और किसी भी घटना की तुरंत सूचना जीआरपी/आरपीएफ को दें।

कानपुर में रावण की होती है पूजा !

» शिवाला का दशानन मंदिर आज खुला, साल में केवल एक दिन होती है रावण की पूजा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। देशभर में जहां दशहरे पर रावण दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व मनाया जा रहा है, वहीं कानपुर में एक अनोखी परंपरा देखने को मिलती है। शिवाला स्थित सौ साल पुराने दशानन मंदिर में आज विशेष पूजा-अर्चना की गई। यह देश का इकलौता मंदिर है, जहां रावण की प्रतिमा की पूजा शक्ति के प्रतीक के रूप में की जाती है।

परंपरा के अनुसार यह मंदिर साल में केवल एक बार विजयादशमी के दिन ही खुलता है। सुबह 9 बजे मंदिर के कपाट खुले, रावण की प्रतिमा का श्रृंगार कर आरती की गई और श्रद्धालुओं ने तेल के दीपक जलाकर मन्नतें मांगीं। शाम तक विशेष पूजा के बाद मंदिर फिर एक साल के लिए बंद कर दिया जाएगा।जानकारी के मुताबिक, इस मंदिर का निर्माण सौ साल पहले महाराज गुरु प्रसाद शुक्ल ने कराया था। रावण महान पंडित और भगवान शिव का परम भक्त माना जाता है। मान्यता है कि मां छिन्नमस्तिका ने उसे आशीर्वाद दिया था कि उनकी पूजा तभी पूर्ण होगी, जब भक्त रावण की भी पूजा करेंगे।

करीब 206 साल पहले संवत 1868 में तत्कालीन राजा ने मां छिन्नमस्तिका का मंदिर बनवाया था और रावण की करीब पांच फुट ऊंची प्रतिमा को उनके प्रहरी के रूप में स्थापित कराया था। तभी से दशहरे के दिन पहले मां छिन्नमस्तिका और फिर रावण की पूजा का सिलसिला जारी है।

श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां की गई आराधना विशेष फलदायी होती है और रावण शक्ति व ज्ञान के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है।

अंतरजातीय विवाह पर खून-खराबा, युवक की हत्या कर चेहरा जलाया

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। चकेरी में अधजले मिले युवक की गुत्थी सुलझ गई है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि युवक की हत्या उसके ही बड़े भाई ने मां और पत्नी के साथ मिलकर की थी। अंतरजातीय प्रेम विवाह से छोटे भाई की नाराजगी लगातार विवाद का कारण बनी हुई थी। आखिरकार मां-बेटे-बहू ने मिलकर युवक का गला दबाकर हत्या कर दी और पहचान मिटाने के लिए उसका चेहरा जला दिया।22 सितंबर को मथुरापुर गांव की झाड़ियों में बोरे में अधजला शव मिला था।

पहचान होने के बाद शक मृतक के परिवार पर ही गया। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर आरोपी मां और भाई शव फेंकते दिखे।

पूछताछ में तीनों ने हत्या की बात स्वीकार कर ली।पुलिस के अनुसार, मृतक मानस पाल ट्रक

» मां-बेटे-बहू ने मिलकर की घर के छोटे बेटे की हत्या

» सीसीटीवी से खुला राज तीनों आरोपी गिरफ्तार

चालक था और अक्सर बड़े भाई प्रांजल उर्फ गोपी से विवाद करता था। प्रांजल ने चार महीने पहले फतेहपुर निवासी किरन निषाद से प्रेम विवाह किया था, जिससे मानस खुश नहीं था।

इसी रंजिश में प्रांजल ने पत्नी किरन और मां मंजू देवी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। घटना के दिन मानस घर पर लेटा

था, तभी तीनों ने उसे चारपाई से बांधा और गला दबाकर मार डाला। चेहरा जलाने के बाद शव बोरे में भरकर ऑटो से झाड़ियों में फेंक दिया गया।डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि मृतक के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। गांव प्रधान ने भी खुलासा किया कि हत्या से एक दिन पहले मानस ने अपनी जान को खतरा बताया था, लेकिन शराब के नशे में होने के कारण उसकी बातों पर किसी ने भरोसा नहीं किया।

खुशियों के बीच मातम जहरखुरानी गिरोह ने छींनी बुजुर्ग की जिंदगी

» चकेरी में सड़क किनारे बेसुध मिले, इलाज के दौरान मौत

» पुलिस ने गिरोह की तलाश तेज की, परिवार का रो-रोकर बुरा हाल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में जहरखुरानी गिरोह ने एक बार फिर अपनी हैवानियत से परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। बेटे की सगाई के लिए जा रहे बुजुर्ग को गिरोह ने न केवल लूटा बल्कि जहरीला पदार्थ खिलाकर सड़क किनारे फेंक दिया। बुधवार को अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

इस घटना से परिवार और गांव में कोहराम मच गया है।जानकारी के अनुसार, बांदा जनपद के गिरवां सौता स्योढ़ा निवासी 60 वर्षीय विजयकरन वर्मा लखनऊ के एक निजी विद्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। उनके परिवार में पत्नी रानी और दो बेटे अमर व अमन हैं। बड़ा बेटा अमर 28 सितंबर को सगाई करने वाला था। इसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विजयकरन 25 सितंबर को लखनऊ से कपड़े और सामान लेकर गांव लौट रहे थे।रास्ते में जहरखुरानी गिरोह ने उन्हें अपना शिकार बना लिया। बदमाशों ने लूटपाट के बाद जहरीला पदार्थ पिलाकर चकेरी क्षेत्र में सड़क किनारे फेंक दिया।

26 सितंबर को चकेरी पुलिस को जानकारी मिलने पर उन्हें एलएलआर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पहचान उनके पास से मिले कागजात से हुई। बुधवार दोपहर इलाज के दौरान विजयकरन की मौत हो गई।परिवार पर गम का पहाड़ टूट पड़ा है। बेटे की सगाई की खुशियां मातम में बदल गईं। चकेरी थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि पीड़ित परिवार की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी और जहरखुरानी गिरोह की तलाश तेज कर दी गई है।

मूर्ति विसर्जन और दशहरा पर आज बदला रहेगा यातायात, डायवर्ट किया गया ट्रैफिक,बनाई गई पार्किंग

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। दशहरा मेला और मूर्ति विसर्जन को शहर के कई क्षेत्रों का यातायात बदला हुआ रहेगा। यातायात विभाग की ओर से कई जगह वाहनों की पार्किंग के स्थल बनाए गए हैं। डीसीपी ट्रैफिक रवींद्र कुमार ने बताया कि यह व्यवस्था भीड़भाड़ को व्यवस्थित करने और जाम की समस्या को देखते हुए की जा रही है।कानपुर में दशहरा मेला और मूर्ति विसर्जन के चलते गुरुवार को शहर में कई थानों पर डायवर्जन किया गया है। परेड और आसपास के क्षेत्रों का यातायात बदला हुआ रहेगा। यहां शाम पांच बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक ट्रैफिक को डायवर्ट किया जाएगा। वहीं, विसर्जन समाप्ति होने तक यातायात व्यवस्था में बदलाव रहेगा। पुलिस ने लोगों से जाम की स्थिति से बचने के लिए निर्धारित रूट के पालन की अपील की है।

डीसीपी ट्रैफिक रविंद्र कुमार ने बताया कि कल्याणपुर से अर्मापुर की ओर भारी और मध्यम वाहन नहीं जा सकेंगे। इन्हें जरीब चौकी-फजलगंज-विजयनगर होते हुए भौंती की ओर डायवर्ट किया जाएगा। कल्याणपुर से बारा सिरोही नहर की ओर भारी व मध्यम वाहन नहीं जा सकेंगे। इनके लिए शताब्दी नगर-गंगागंज क्रॉसिंग से भौंती तक का मार्ग तय किया गया है।

भारी व मध्यम वाहनों की एंट्री नहीं होगी

कंपनीबाग से आने वाला यातायात रेव थ्री तिराहे से भैरोघाट-ग्रीनपार्क चौराहे की तरफ नहीं जा सकेगा। वाहनों को आभा नर्सिंगहोम मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा। उन्नाव की ओर से आने वाला यातायात गंगा बैराज से कर्बला की ओर नहीं मुड़ेगा बल्कि सीधे यशकोठारी चौराहे से सिंहपुर तिराहे से निकाला जाएगा। मंधना चौराहा से गंगा बैराज की ओर भारी व मध्यम वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। गंगाबैराज चौकी व गंगाघाट थाना (उन्नाव) से भी भारी व मध्यम वाहनों की एंट्री नहीं होगी।

यहां डायवर्ट किया गया ट्रैफिक

लालइमली चौराहे से कोई भी वाहन परेड की ओर नहीं जा सकेंगे। उन्हें सिल्वर्टन तिराहा से होते हुए रवाना किया जाएगा।

एमजी कॉलेज चौराहे से कोई भी वाहन नवीन मार्केट की तरफ नहीं जा सकेंगे। उन्हें ग्रीनपार्क चौराहे से होते हुए भेजा जाएगा।

बडा चौराहा से कोई भी वाहन परेड की तरफ नहीं जा सकेंगे। वाहन मेस्टन रोड, मूलगंज चौराहा होते हुए जा सकेंगे।

चेतना चौराहे से कोई भी वाहन बड़ा चौराहा की तरफ नहीं पाएंगे। उन्हें मेघदूत तिराहा होते हुए भेजा जाएगा।

मेघदूत तिराहे से कोई भी वाहन बड़ा चौराहा की तरफ नहीं जा सकेंगे। वाहनों को वीआईपी रोड, सरसैया घाट की तरफ से भेजा जाएगा।

यतीमखाना चौराहे से कोई भी वाहन परेड की तरफ नहीं जा पाएंगे। ये वाहन लालइमली चौराहा से होते हुए जा सकेंगे।

लैंडमार्क तिराहे से कोई भी वाहन परेड की तरफ नहीं जा सकेंगे। उन्हें बड़ा चौराहा होते हुए भेजा जाएगा।

कोतवाली से कोई भी वाहन परेड की तरफ नहीं जा सकेंगे। ऐसे वाहन बड़ा चौराहा या मूलगंज चौराहा होकर जाएंगे।

यहां बनाई गई पार्किंग

परेड चौराहा स्थित क्रिस्टल पार्किंग।
चेतना चौराहा से सरसैया घाट चौराहे की बीच बनी पार्किंग।
नगर निगम इंटर कॉलेज के पास पार्किंग।
एमजी कॉलेज चौराहे के पास मिल की जमीन।
उर्सला अस्पताल रोड के किनारे।

गांधी-शास्त्री जयंती पर कलेक्ट्रेट में भव्य समारोह

» जिलाधिकारी कपिल सिंह ने किया चित्र अनावरण व माल्यार्पण

» कहा फरियादियों से संवेदनशील व्यवहार ही असली जनसेवा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती जिलेभर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी कपिल सिंह ने दोनों महान विभूतियों के चित्र का अनावरण कर पुष्प अर्पित किए और उनके जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की शुरुआत गांधी जी का प्रिय भजन रघुपति राघव राजा राम गाकर की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि गांधी जी के सत्य, अहिंसा और सेवा के सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान थे। वहीं, शास्त्री जी की सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रभक्ति आज के प्रशासनिक तंत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने देश को जय जवान, जय किसान का अमर नारा दिया, जिसने आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का भाव जगाया।

कपिल सिंह ने अधिकारियों-कर्मचारियों से अपील की कि कार्यालय आने वाले फरियादियों से मधुर व संवेदनशील व्यवहार करें और उनकी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यही वास्तविक जनसेवक की पहचान है। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, एडीएम वित्त एवं राजस्व दुष्यंत मौर्य, एडीएम न्यायिक दिग्विजय सिंह सहित अनेक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। जिले के सभी शासकीय कार्यालयों और विद्यालयों में भी गांधी-शास्त्री जयंती मनाई गई।

कबाड़ बनी सरकारी एंबुलेंस, मरीजों की जान पर बन आई आफत

» देवीपुर सीएचसी, राजपुर पीएचसी और पुखरायां में खड़ी एंबुलेंस बेकार

» अधिकारियों की लापरवाही से लाखों की सरकारी संपत्ति हो रही बर्बाद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरकार ने ग्रामीण अंचलों में प्रसूता महिलाओं, गंभीर बीमार मरीजों और सड़क हादसों में घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने के लिए 102 व 108 एंबुलेंस सेवा शुरू की थी। लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण अब यही एंबुलेंस खुद बीमार हो गई हैं।

मामूली खराबी तक को दुरुस्त न कराने से लाखों रुपये की कीमत वाली एंबुलेंस कबाड़ के ढेर में खड़ी हैं।भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के देवीपुर सीएचसी, राजपुर पीएचसी और पुखरायां नगर पालिका के पटेल चौक पर खड़ी एंबुलेंस इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। जिन वाहनों से मरीजों को जीवनदान मिलना चाहिए था, वे अब धूल फांक रही हैं। इससे आपात स्थितियों में मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है।

हालात यह हैं कि मरम्मत न होने के चलते कई बार एंबुलेंस बीच रास्ते में ही खराब होकर मरीजों की जान जोखिम में डाल रही हैं। लेकिन न तो स्वास्थ्य महकमा और न ही संचालन करने वाली कंपनी इसके प्रति गंभीर है। नतीजतन हर बीतते दिन के साथ एक-एक कर एंबुलेंस दम तोड़ रही हैं और सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचा रही हैं।

झमाझम बारिश से धान की फसल बरबाद, किसानों ने मांगा मुआवजा

» रसूलाबाद के कई वार्डों में पानी-पानी, दुर्गा मंदिर के बाहर भी जलभराव

» धान और खरीफ की फसल डूबने से किसानों ने मुआवजे की उठाई मांग

कानपुर देहात। गुरुवार सुबह से हो रही झमाझम बारिश ने एक ओर किसानों की नींद उड़ा दी तो दूसरी ओर नगर क्षेत्र में लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। रसूलाबाद कस्बे के कबीर नगर, आजाद नगर और सुभाष नगर सहित कई वार्डों में सड़कों पर भारी जलभराव हो गया।

हालात इतने खराब रहे कि आज़ाद नगर स्थित दुर्गा देवी मंदिर के बाहर भी पानी भर गया, जिससे विजयदशमी पर पूजा करने आए श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा।

नगर पंचायत के सफाई कर्मचारियों ने नालियों की सफाई कर पानी निकालने की कोशिश की, लेकिन बारिश का पानी लगातार भरता रहा।

दूसरी तरफ धान और खरीफ की फसलें बारिश में डूबने लगीं, जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ दिखाई देने लगीं।

कई किसानों का कहना है कि उनकी पूरी फसल बर्बाद हो गई है।किसानों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है ताकि भारी बारिश से हुए नुकसान की भरपाई हो सके। मौसम विभाग पहले ही मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी कर चुका था, जो पूरी तरह सच साबित हुई।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, |
Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

कानपुर सिटी के आसपास गांवों में लुट रही सरकारी जमीनें..

प्लॉटिंगकर्ता बोला खरीदी, कागज कह रहे जमीन सरकारी

- सुरार ग्राम पंचायत में अवैध प्लॉटिंग का काला कारोबार
- करोड़ों की ऊसर ज़मीन पर सफेदपोशों का क़ब्ज़ा
- सिंडिकेट के संरक्षण में करोड़ों की सरकारी ज़मीन बिकने का खुला खेल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सदर तहसील क्षेत्र की सुरार ग्राम पंचायत में भू-माफियाओं ने सरकारी भूमि को हड़पने का नया तंत्र खड़ा कर लिया है। ग्राम पंचायत की खसरा संख्या 613 (5.0600 हेक्टेयर) और 608 (4.0220 हेक्टेयर) में दर्ज ऊसर भूमि पर प्रॉपर्टी डीलर वीर बहादुर यादव द्वारा प्लॉटिंग कर बिक्री शुरू कर दी गई। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पूरे खेल में एक पूर्व प्रधान, गांव के कई प्रभावशाली लोग और राजस्व विभाग के कर्मचारियों तक की मिलीभगत है। ग्रामीणों ने दबी जुबान में बताया कि कहीं की भूमि कहीं दिखाकर, नक्शे में हेरफेर कर मोटी कमाई की जा रही है।

सफेदपोशों की सरपरस्ती में ज़मीन का सौदा

जानकारों के मुताबिक सुरार ग्राम पंचायत में सैकड़ों बीघे सरकारी ज़मीनें ऊसर, बंजर, चारागाह और डोमन के नाम पर दर्ज भूमि भू–माफियाओं की नजर में हैं। आरोप है कि सफेदपोश नेताओं और प्रभावशाली लोगों के संरक्षण में यह गोरखधंधा फल–फूल रहा है। वहीं, लेखपाल और राजस्व विभाग के कर्मचारियों की साठगांठ से ऊंचे दामों पर सरकारी भूमि बेची जा रही है।

कानपुर कमिश्नरेट में जहाँ एक ओर ऑपरेशन महाकाल के जरिए अपराधियों पर शिकंजा कसा जा रहा है और कई वकील, पत्रकार व नेता जेल की हवा खा चुके हैं, वहीं सुरार ग्राम पंचायत में सरकारी भूमि का बंदरबांट धड़ल्ले से जारी है।

सवाल यह उठता है कि क्या प्रशासन इस सफेदपोश संरक्षण वाले भू–माफिया सिंडिकेट पर भी शिकंजा कसेगा?

ग्रामीणों की मांग– निष्पक्ष जांच हो, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो

ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में हुई जांच पूरी तरह पक्षपातपूर्ण रही थी और अधिकारियों को मोटी रिश्वत देकर रिपोर्ट को भू–माफियाओं के पक्ष में तैयार कराया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस वजह से असली दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी और अवैध प्लॉटिंग का खेल आज भी जारी है।

ग्रामीणों की स्पष्ट मांग है कि इस भूमि की पुनः निष्पक्ष जांच कराई जाए और मौजूदा समय में कानपुर

पुलिस कमिश्नर के ऑपरेशन महाकाल के तहत इस मामले को भी शामिल कर आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

लेखपाल और डीलर ने किया आरोपों का खंडन

इस मामले में क्षेत्रीय लेखपाल अनिल कुमार और प्लॉटिंग कर रहे प्रॉपर्टी डीलर वीर बहादुर यादव ने आरोपों को सिरे से नकार दिया। दोनों का कहना है कि जिस भूमि पर अवैध कब्जे और सरकारी ज़मीन बेचने का आरोप लगाया जा रहा है, दरअसल वह भूमि साफ–सुथरी और विवादमुक्त है। उनका कहना है कि आरोपित सरकारी भूमि पर फिलहाल सड़क के दूसरी ओर अस्पताल का निर्माण कार्य चल रहा है, जबकि प्लॉटिंग वाली जमीन पूरी तरह निजी स्वामित्व वाली है। उन्होंने दावा किया कि न तो किसी सरकारी ज़मीन पर कब्जा किया गया है और न ही किसी प्रकार का घोटाला हो रहा है।

गांधी जयंती पर 156 घंटे का स्वच्छता अभियान सम्पन्न

» शहर में गंदगी रूपी रावण का मेयर प्रमिला पांडेय ने किया दहन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर नगर निगम द्वारा संचालित 156 घंटे का अनवरत स्वच्छता अभियान पखवाड़ा गुरुवार को सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में नगर आयुक्त सुधीर कुमार एवं महापौर प्रमिला पांडेय मौजूद रहीं।समारोह को संबोधित करते हुए नगर आयुक्त ने कहा कि स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ समाज की नींव है।

प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने घर, मोहल्ले और शहर को स्वच्छ बनाए रखने में योगदान दे।卐 उन्होंने शहरवासियों से स्वच्छ जीवन शैली अपनाने की अपील की।महापौर प्रमिला पांडेय ने इस मौके पर गंदगी रूपी रावण का दहन कर जनता को संकल्प दिलाया कि वे गंदगी और प्रदूषण का उन्मूलन करेंगे। उन्होंने कहा कि जैसे भगवान श्रीराम ने असत्य का नाश किया था, उसी तरह समाज को गंदगी से मुक्त करना आज की आवश्यकता है। महापौर ने गांधी जी के विचारों को स्मरण कराते हुए कहा कि राष्ट्रपिता ने सदैव स्वच्छता को सर्वोपरि स्थान दिया था और हम सभी को उसी मार्ग पर चलना

चाहिए।समापन कार्यक्रम के अंतर्गत नगर निगम की टीम ने गंदगी रूपी रावण का प्रतीकात्मक दहन किया और नागरिकों को शपथ दिलाई कि वे गंदगी नहीं फैलाएँगे, न

ही प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करेंगे।महापौर ने सफाई कर्मियों के सम्मान में यह भी घोषणा की कि नगर निगम के सभी सफाई कर्मचारियों को वर्ष में दो बार वर्दी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही भविष्य में उनके प्रोत्साहन के लिए अलग योजनाएँ भी बनाई जाएँगी।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगर निगम अधिकारी–कर्मचारी और स्थानीय नागरिक शामिल हुए तथा स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया।

संपति के विवाद में पुत्र ने की थी पिता की हत्या

» ब्लाइंड मर्डर की घटना का थाना नरैनी पुलिस द्वारा किया गया खुलासा

» अपने पिता के करीबी मित्र के साथ मिलकर रची थी हत्या की पूरी योजना

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बांदा। पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा विभिन्न मामलों में वांछित चल रहे अभियुक्तों की जल्द गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना नरैनी क्षेत्र के ग्राम हड़हा में हुए ब्लाइंड मर्डर की घटना का थाना नरैनी पुलि द्वारा सफल अनावरण करते हुए अभियुक्त पुत्र तथा उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया गया । गौरतलब हो कि थाना नरैनी क्षेत्र के ग्राम हड़हा में 26/27 सितंबर 25 की रात्रि लगभग 01.30 बजे ग्राम हड़हा के रहने वाले मंसूर खान की अपने घर में सोते समय अज्ञात द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी ।

जिसके सम्बन्ध में मृतक के पुत्र मासूक खान की तहरीर पर थाना नरैनी मे अभियोग पंजीकृत किया गया था । पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा घटना के शीघ्र अनावरण एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी नरैनीकृष्णकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया था ।क्राइम सीन की बारीकी से जांच एवं घटनास्थल से प्राप्त वैज्ञानिक एवं तकनीकि साक्ष्यों के विवेचन से पुलिस को प्रथम दृष्टया किसी परिचित व्यक्ति द्वारा घटना को अंजाम दिया जाना प्रतीत हो रहा था जो मृतक के सोने से पूर्व ही वहां मौजूद रहा हो । जांच एव विवेचना तथा मृतक के करीबियों से पूछताछ के क्रम में पुलिस का शक स्वयं मृतक के पुत्र की ओर गया । पुलिस द्वारा मृतक के पुत्र मासूक खान को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने घटना को अपने सहयोकी की मदद से कारित करना स्वीकार किया ।

उसने बताया कि उसके दादा ने सेवा सत्कार करने पर अपनी मृत्यु से पूर्व 06 बीघा जमीन उसके नाम कर दी थी ।

उसके पिता (मृतक) ने उसकी शादी करवाने तथा उसका घर बनवाने के नाम पर उसकी 04 बीघा जमीन 44 लाख रुपये में बिकवी दी तथा उसे मात्र 05 लाख रुपये दिए साथ ही घर बनवाकर आधे घर पर कब्जा कर लिया । मृतक ने अपने पुत्र (अभियुक्त) से वादा किया था कि मरने से पहले वह अपनी 03 बीघा जमीन उसके नाम कर देगा । लेकिन अभियुक्त को उसके मित्र ने (सह-अभियुक्त) ने बताया कि उसका पिता 5वीं शादी करने जा रहा है और जिससे शादी कर रहा है वहां पहले से तय हुआ है कि शादी से पूर्व वह अपनी पूरी सम्पत्ति उस महिला के नाम करेगा ।

मृतक मंसूर ने अपने करीबी मित्र इकबाल हुसैन (सह-अभियुक्त) को 07 बिस्वा जमीन बेचने का वादा किया था परन्तु वह बेच नहीं रहा था, इसके कारण इकबाल हुसैनी भी उससे खुन्नस खाएं हुए था ।

इसी वहज से उसने अपने दोस्त के पुत्र मासूक खान को भड़काया कि तुम्हारा पिता तुम्हारी सारी सम्पत्ति हड़प गया और 5वीं शादी कर रहा है जिसे वह अपनी शेष सम्पत्ति भी दे देगा । अगर मैं होता तो उसे रास्ते से हटा देता । इकबाल हसन ने अभियुक्त मासूक खान के अवैध तमंचा व कारतूस दिया और कहा कि अपने पिता को रास्ते से हटा दो नहीं तुम्हे कुछ नहीं मिलेगा । मासूक खान ने 26/27 सितंबर 2025 की रात्रि मंसूर खान की अवैध तमंचे से सीने पर 02 गोली मारकर हत्या कर दी, उसके उपरांत उसने वहां दूसरे कमरे में लेटी अपनी दिव्यांग बहन जो बिस्तर से उठ नहीं सकती, से कहा कि किसी को बताना नहीं कोई पूछे तो कहना की कोई अज्ञात व्यक्ति आया था जिसने गोली मारकर हत्या की और दरवाजे से भाग गया, यही बात उसने अपनी पत्नी से भी कही । पुलिस को गुमराह करने के उद्देश्य से उसने थाना नरैनी पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा पिता की हत्या की तहरीर दी ।

दोनों अभियुक्तों के पुलिस द्वारा गिरफ्तार करते हुए अभियुक्त की निशादेही पर घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा, खोखा कारतूस व जिन्दा कारतूस बरामद किया गया है । गिरफ्तार अभियुक्तों में मासूक खान पुत्र मंसूर खान उम्र लगभग 20 वर्ष निवासी हड़हा थाना नरैनी जनपद बांदा व इकबाल हुसैन पुत्र जमील हुसैन उम्र लगभग 58 वर्ष निवासी हड़हा थाना नरैनी जनपद बांदा हैं।

रसूलाबाद के धर्मगढ़ बाबा रासलीला मंच पर इस्लामीकरण का आरोप

» कार्यक्रम की प्रस्तुति को लेकर हिंदू संगठनों में आक्रोश

»एक दिन पूर्व पंडाल पर गिरी थी आकाशीय बिजली, बड़ा हादसा टला

»रसूलाबाद (कानपुर देहात)।

रसूलाबाद क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल धर्मगढ़ बाबा प्रांगण में चल रही रासलीला एवं रामलीला इस समय विवादों के घेरे में आ गई है। मंच से कथित तौर पर मुसलमानों का गुणगान किए जाने और हिंदू देवी-देवताओं का उल्लेख गौण रूप में करने से हिंदू संगठनों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने इसे हिंदू समाज की आस्था पर सुनियोजित प्रहार बताते हुए तत्काल कार्रवाई की माँग की है।सोशल मीडिया हैंडल्स पर हिंदू संगठनों ने वीडियो शेयर कर आरोप लगाया है कि धार्मिक कार्यक्रम की आड़ में कट्टरपंथी तत्वों द्वारा एक षड्यंत्र रचा जा रहा है, जिसका उद्देश्य धीरे-धीरे हिंदू समाज की धार्मिक भावनाओं को कमजोर कर धर्मांतरण की जमीन तैयार करना है। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि यह कार्य न केवल आपत्तिजनक है बल्कि हिंदू धर्म पर सीधा हमला है।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे आयोजकों पर कठोर कार्रवाई की जाए, जिन्होंने हिंदू आस्था के मंच को धार्मिक मिश्रण का माध्यम बनाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी इस पूरे मामले में संज्ञान लेकर दोषियों पर सख्त कदम उठाने का अनुरोध किया है।

इस बीच, बीते दिन कार्यक्रम स्थल पर अचानक आकाशीय बिजली गिरने से अफरा-तफरी मच गई। बिजली गिरने से मंच के समीप लगा विशाल पंडाल क्षतिग्रस्त हो गया।

सौभाग्य से इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, जिससे उपस्थित श्रद्धालुओं ने इसे फ्रबाबा की कृपाफ्र बताया।स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि धर्मगढ़ बाबा का यह वार्षिक आयोजन वर्षों से आस्था का केंद्र रहा है, जहां दूर-दराज़ से श्रद्धालु दर्शन और रासलीला देखने पहुंचते हैं। मगर इस बार मंच से दिए गए कुछ संवादों और प्रस्तुतियों ने पूरे आयोजन की पवित्रता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।सूत्रों के अनुसार प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। वहीं धार्मिक माहौल बिगड़ने से रोकने के लिए पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया है और अफवाह फैलाने वालों पर भी नजर रखी जा रही है।

SIDDHIVINAYAK ENCLAVE
COMMERCIAL CUM RESIDENTIAL

Fully Furnished Flat
• Lift
• Power Backup
For Sale
Ground Floor = Hall (2800sqft.)
1st to 3rd Floor = 3BHK Flat(1550sqft.)
Site Add : Plot No. 600/5, House No. 120/505, Shivji Nagar, Scheme No.1
Kanpur Nagar (Near Shivani Nursing Home)
Near Kanpur Medical Centre Lajpat Nagar, Kanpur
Mob : 9936444099, 7355766844, 9369936943

» (नवरात्र में योगी सरकार सख्त)

अयोध्या में 288 अपराधी सलाखों के पीछे

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 गौरव ग्रोवर

» एसएसपी गौरव ग्रोवर के नेतृत्व में महिला सुरक्षा बनी सर्वोच्च प्राथमिकता

» हत्या, रेप, अपहरण और दहेज हत्या पर त्वरित कार्रवाई

» मिशन शक्ति 5.0 से बढ़ा महिलाओं का भरोसा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या, जो आस्था और संस्कृति का वैश्विक केंद्र है, अब महिला सुरक्षा के नए आयाम लिख रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कड़े निर्देशों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर की सख्त कार्यवाही का नतीजा है कि जनवरी 2025 से अब तक महिला उत्पीड़न से जुड़े 285 मामलों में 288 अपराधी जेल भेजे गए। इनमें हत्या, रेप, अपहरण और दहेज मृत्यु जैसे संगीन मामले शामिल हैं।

पुलिस ने सभी आरोपियों को अदालत में प्रस्तुत कर न्यायिक प्रक्रिया को तेज किया है। सरकार का संदेश साफ है अपराधियों की जगह सिर्फ जेल है।

अयोध्या पुलिस ने महिला उत्पीड़न से जुड़े हर केस में तुरंत एक्शन लिया। जिन मामलों में कभी लंबी जांच और देर से कार्रवाई की शिकायत होती थी, वहां अब त्वरित गिरफ्तारी और सख्त कानूनी कार्रवाई ने अपराधियों की नींद उड़ा दी है।

शारदीय नवरात्र के दौरान मिशन शक्ति 5.0 अभियान को अयोध्या में विशेष बल मिला।

महिला पुलिस टीमें लगातार गश्त कर रहीं।

स्कूल–कॉलेज, दुर्गा पंडाल और सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा बढ़ी। छात्राओं और महिलाओं को आत्मरक्षा और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी जा रही।

इस अभियान ने न केवल सुरक्षा का भाव जगाया है बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास भी बढ़ाया है।

“मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट कहा है कि नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अयोध्या की जनता मिशन शक्ति और एसएसपी की सख्ती से संतुष्ट है। स्थानीय नागरिक मानते हैं कि पहले अपराधियों में जो डर खत्म हो गया था, अब वह लौट आया है। नवरात्र में शक्ति की उपासना के साथ ही महिला सुरक्षा की गारंटी ने समाज में नया आत्मविश्वास जगाया है।

“महिला सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी अपराधी को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अयोध्या पुलिस ने यह साबित किया है कि महिलाओं की गरिमा से खिलवाड़ करने वालों की जगह केवल सलाखों के पीछे है। मिशन शक्ति अभियान से हमारी कोशिश है कि जिले की हर बेटी और बहन खुद को सुरक्षित महसूस करे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
डॉ0 गौरव ग्रोवर

अयोध्या

(रामनगरी के खजाने में नगर निगम घोटाला बेनकाब...)

ब्लैक लिस्टेड फर्मों पर बरसी नगर निगम अफसरों की ‘कृपा’ !

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।राममंदिर निर्माण के साथ जिस रामनगरी में विकास के फूल खिलने की उम्मीद थी, वहां भ्रष्टाचार की गंध ने पूरा माहौल जहरीला कर दिया। केंद्र और प्रदेश सरकार ने हजारों करोड़ का बजट खोला, लेकिन नगर निगम और कार्यदायी संस्थाओं ने इस ‘बहती गंगा’ में घोटालों की गंगा बहा दी।

वरिष्ठ पत्रकार इंदुभूषण पांडेय की तहकीकात में ऐसे दस्तावेज सामने आए हैं जो साबित करते हैं कि विकास कार्यों का पैसा ज़मीन पर कम और फाइलों व फर्जी भुगतानों में ज्यादा बहाया गया।

बता दें कि प्रताप हाइट्स लिमिटेड को गौशाला और सड़क निर्माण का ठेका मिला। काम अधूरा छोड़ने पर 16 सितंबर 2021 को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। फिर भी 2022 में उसी फर्म को दोबारा जिम्मेदारी सौंप दी गई और करोड़ों का भुगतान हुआ। क्या यह सिर्फ लापरवाही थी या संगठित मिलीभगत?

» नगर निगम अयोध्या के प्रशासनिक अफसरों और इंजीनियरों ने बिना अनुबंध ही बांट दिए करोड़ों रुपए

» राममंदिर और विकास की सुनहरी आड़ में काली कमाई

अनुबंध से पहले ही करोड़ों की बंदरबांट

राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा (22 जनवरी 2024) के पहले नगर निगम ने सफाई कर्मियों की आपूर्ति के नाम पर सिक्योरिटी फर्मों को करोड़ों लुटा दिए।

लायन सिक्योरिटी सर्विस

अनुबंध दिनांक- 12 जनवरी 2024
बिल प्रस्तुत- 24-12-2023 से ही!
भुगतान-69,16,956 (अनुबंध से पहले ही)

2.किंग सिक्योरिटी सर्विस

नगर निगम से अनुबंध का निर्देश- 23 दिसम्बर 2023
बैंक गारंटी और प्रपत्र जमा- 5 जनवरी 2024
फिर भी बिल प्रस्तुत- 24-12-2023 से
भुगतान-61,95,591

दोनों फर्मों को बिना कार्यादेश और अनुबंध के कुल 1,31,12,547 का भुगतान कर दिया गया।

स्वराज इंडिया का सवाल

1. नगर निगम ने ब्लैकलिस्टेड फर्म को दोबारा जिम्मेदारी क्यों दी?
2. बिना अनुबंध और कार्यादेश के फर्मों को करोड़ों का भुगतान किस आधार पर हुआ?
3. क्या यह सब प्राण प्रतिष्ठा की भीड़भाड़ और मीडिया की चकाचौंध में भ्रष्टाचार छिपाने का सुनियोजित खेल था?
4. जिम्मेदार अफसरों और जनप्रतिनिधियों की भूमिका क्यों जांच के घेरे से बाहर है?

राममंदिर की भव्यता और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था की छांव तले, नगर निगम और ठेकेदारों के बीच चला यह खेल ‘विकास’ के नाम पर लूट की एक ऐसी कहानी है जिसे दबाना मुश्किल है।

बापू और शास्त्री जी के सपनों को साकार कर रही डबल इंजन सरकार

सीएम योगी ने देश की विभूतियों को किया याद, विजयदशमी की दीं शुभकामनाएं

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गोरखपुर। गोरखपुर में आज गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों विभूतियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। गोरखनाथ मंदिर के आवासीय भवन के प्रथम तल पर देश के दोनों महान विभूतियों के चित्र पर पुष्पार्चन करने के बाद मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता और पूर्व प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व और राष्ट्रहित में उनके अविस्मरणीय योगदान को याद करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार बापू और शास्त्री के सपनों को साकार कर रही है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की स्मृतियों को नमन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि सत्य और अहिंसा की ताकत क्या होती है, इसका एहसास भारत के स्वाधीनता आंदोलन में महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत ने पूरी दुनिया को कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के मूल्यों और आदर्शों में स्वदेशी का महत्वपूर्ण स्थान रहा।

विदेशी हुकूमत की जड़ों को उखाड़ फेंकने के लिए सत्य व अहिंसा के मार्ग का अनुसरण करने के साथ स्वदेशी देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधने का आलंबन बनी। बापू के सपनों को साकार करने को आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी देश और दुनिया के लिए मॉडल बन रही है। स्वदेशी से ही जुड़ी उत्तर प्रदेश सरकार की ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) योजना सफलता की नई ऊंचाई को छू रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी केवल खादी तक सीमित नहीं है बल्कि वर्तमान समय में भारत की दिनचर्या का हिस्सा बन रही है। पीएम मोदी के उद्घोष के अनुरूप स्वदेशी भारत में चिप से लेकर शिप तक आत्मनिर्भरता की गारंटी बन रही है।

सीएम योगी ने बताया कि 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में राज्य सरकार ने यूपी के उत्पादों को प्लेटफार्म देने और उन्हें वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया था।

शास्त्री जी ने दुनिया को देश की शक्ति का एहसास कराया

मुख्यमंत्री ने देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वो स्वाधीनता आंदोलन के अग्रणी पंक्ति के सेनानी थे। वह बापू के प्रखर अनुयायी तथा स्वदेशी से स्वावलंबन के पक्षधर थे। कृषि क्षेत्र की आत्मनिर्भरता का एक मॉडल शास्त्री जी ने दिया था। उन्होंने जय जवान जय किसान का नारा देकर खाद्यान्न क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के संकल्प को मजबूत किया।

एकता, शांति और सौहार्द का पावन पर्व है विजयदशमी

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को विजयदशमी पर्व की भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारे पर्व व त्योहार एकता, शांति और सौहार्द के प्रतीक होते हैं। हमें उनके इस सात्विक भाव को जीवन में उतरना चाहिए। उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के श्रीचरणों में नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन हम सबको नई प्रेरणा प्रदान करता है। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, भाजपा के महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, नगर निगम कार्यकारिणी के उप सभापति पवन त्रिपाठी आदि भी मौजूद रहे।

बाजार खाला में रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद ने की कार्यक्रम सराहना

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा अवध क्षेत्र द्वारा रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्री दानिश आजाद अंसारी थे। कार्यक्रम के उप मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राज नाथ सिंह के सुपुत्र नीरज सिंह थे।कार्यक्रम की संयोजक फरहा रिजवी तथा सह संयोजक ऐनुद्दीन अहमद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुहम्मद नईम ने की।

रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर में लगभग 50 लोगों ने रक्तदान किया, भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ो नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने पहुँच कर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान किया। उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्री दानिश आ?ाद अंसारी ने ऐसे कार्यक्रम करने के लिये आयोजकों का आभार व्यक्त किया। ऐसे कार्यक्रम और क्षेत्र के लोगों को आयोजित करना चाहिए ताकि जनता को फायदा मिल सके। कार्यक्रम की संयोजक फरहा रिजवी ने कहा कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का हृदय से आभार।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में निहारिका श्रीवास्तव, सलमान अहमद, आनंद त्रिवेदी, मोहम्मद नईम तथा राजेन्द्र प्रसाद का विशेष योगदान रहा। धन्यवाद ज्ञापन उबैद अली ने किया।

लखनऊ एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात जवान ने किया सुसाइड

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर इलाके में बुधवार रात एक होमगार्ड जवान ने ड्यूटी पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इटावा जिले के चौबिया थानान्तर्गत करई गांव निवासी होमगार्ड जवान विक्रम सिंह (45) अपनी पत्नी नेहा सिंह के साथ सरोजनीनगर के नवीन गौरी में किराए के मकान में रहता था। विक्रम लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट स्थित एटीसी उपकरण सुरक्षा में ड्यूटी करता था। वह बुधवार रात 9 बजे ड्यूटी करने गया था।

गुरुवार सुबह दूसरा होमगार्ड जवान धर्मपाल रिलीव करने पहुंचा तो सुरक्षा चौकी परिसर का गेट अंदर से बंद मिला। धर्मपाल के काफी देर तक आवाज लगाने पर भी दूसरी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। तब उसने गेट से झांक कर देखा तो उसके होश उड़ गए। विक्रम सुरक्षा चौकी में टीन शेड के पाइप से

रस्सी के सहारे लटका था। यह दृश्य देख धर्मपाल ने अपने अधिकारियों के साथ ही पुलिस को इसकी सूचना दी।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने अन्दर से बन्द गेट का ताला तोड़कर विक्रम को नीचे उतारा लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सरोजनीनगर प्रभारी निरीक्षक राजदेव राम प्रजापति का कहना है कि विक्रम ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।